

संपादकीय

सख्ती व जवाबदेही से ही होगा समाधान

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अछा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेगा कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। अखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहवार ? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए।

विनोद शर्मा, संपादक

आज होगा कन्या पूजन

पूजा से मिलती है सुख-समृद्धि और रोग-मुक्ति

डॉ. अनीष व्यास

चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। इस साल इस बार चैत्र नवरात्रि 19 मार्च 2026 से प्रारंभ हो रहे हैं, जिसका समापन 27 मार्च होगा। चैत्र नवरात्रि की धूम पूरे देश में है। माता की भक्ति में लीन भक्तों को अब अष्टमी और नवमी का इंतजार है। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी और रामनवमी 26 मार्च को मनाई जाएगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि चैत्र नवरात्रि की अष्टमी तिथि 25 मार्च 2026 को दोपहर 1:50 बजे से शुरू होकर 26 मार्च 2026 को सुबह 11:48 बजे तक रहेगी। ऐसे में नवरात्रि की अष्टमी तिथि का व्रत 26 मार्च को रखा जाएगा। कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का आरंभ 26 मार्च 2026 को सुबह 11:46 मिनट पर होगा। वहीं इस तिथि का अंत 27 मार्च 2026 को सुबह 10:07 मिनट पर होगा। ऐसे में नवरात्रि की नवमी तिथि का व्रत 27 मार्च को रखा जाएगा। भविष्यवाक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि कन्या पूजन के दिन घर आई कन्याओं का सख्ती से स्वागत करना चाहिए।



दौरान नौ कन्याओं का होना आवश्यक होता है। इस बीच यदि कन्याएं 10 वर्ष से कम आयु की हो तो जातक को कभी धन की कमी नहीं होती और उसका जीवन ऊन्नतशील रहता है। ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि नवरात्रि में कन्या पूजन का बहुत महत्व है। आमतौर पर नवमी को कन्याओं का पूजन करते हैं उन्हे भोजन कराया जाता है। लेकिन कुछ श्रद्धालु अष्टमी को भी कन्या पूजन करते हैं। नवरात्रि में अष्टमी और नवमी के दिन कन्या भोजन का विधान ग्रंथों में बताया गया है। इसके पीछे भी शास्त्रों में वर्णित तथ्य यही हैं कि 2 से 10 साल तक की नौ कन्याओं को भोजन करने से हर तरह के योग खत्म होते हैं। कन्याओं को भोजन करवाने से पहले देवी को नैवेद्य लगाएं और भेंट करने वाली चीजें भी पहले देवी को चढ़ाएं। इसके बाद कन्या भोजन और

पूजन करें। कन्या भोजन न करना पाएं तो भोजन बनाने का कच्चा सामान जैसे चावल, आटा, सब्जी और फल कन्या के घर जाकर उन्हे भेंट कर सकते हैं। भविष्यवाक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि नवरात्रि में कन्या पूजन का कुमारी पूजा, महाष्टमी और रामनवमी दोनों ही तिथियों को किया जाएगा। महाष्टमी को मां महागौरी और रामनवमी को मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। जिन घरों में महाष्टमी और नवमी की कन्या भोजन कराया जाता है और उन्हे गिफ्ट बांटे जाते हैं। भविष्यवाक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि पौराणिक धर्म ग्रंथों एवं पुराणों के अनुसार नवरात्री के अंतिम दिन कुमारी पूजन आवश्यक होता है। क्योंकि कन्या पूजन के बिना भक्त के नवरात्र व्रत अधूरे

माने जाते हैं। कन्या पूजन के लिए अष्टमी और नवमी तिथि को उपयुक्त माना जाता है। कन्या भोजन के लिए दस वर्ष तक की कन्याएं उपयुक्त होती हैं। ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि अष्टमी को विविध प्रकार से मां शक्ति की पूजा करें। इस दिन देवी के शस्त्रों की पूजा करनी चाहिए। इस तिथि पर विविध प्रकार से पूजा करनी चाहिए और विशेष आहुतियों के साथ देवी की प्रसन्नता के लिए हवन करवाना चाहिए। इसके साथ ही 9 कन्याओं को देवी का स्वरूप मानते हुए भोजन करवाना चाहिए। दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा को विशेष प्रसाद चढ़ाना चाहिए। पूजा के बाद रात्रि को जागरण करते हुए भजन, कीर्तन, नृत्यादि उत्सव मनाना चाहिए। भविष्यवाक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि 2 साल की कन्या को कुमारी कहा जाता है। इनकी पूजा से दुख और दरिद्रता खत्म होती है। तीन साल की कन्या त्रिमूर्ति मानी जाती है। त्रिमूर्ति के पूजन से धन-धान्य का आगमन और परिवार का कल्याण होता है। 4 साल की कन्या कल्याणी की पूजा होती है, वहां इस दिन कन्याओं को भोजन करवाया जाता है और नवमी के दिन कन्या भोजन का विधान ग्रंथों में बताया गया है। इसके पीछे भी शास्त्रों में वर्णित तथ्य यही हैं कि 2 से 10 साल तक की नौ कन्याओं को भोजन करने से हर तरह के योग खत्म होते हैं। कन्याओं को भोजन करवाने से पहले देवी को नैवेद्य लगाएं और भेंट करने वाली चीजें भी पहले देवी को चढ़ाएं। इसके बाद कन्या भोजन और

सधे बाँडी पाँस्चर से बेहतर मानसिक सेहत

बाँडी पाँस्चर से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही मानसिक सेहत भी जुड़ी है। अध्ययन बताते हैं कि शरीर का सही विन्यास तनाव कम करने में मददगार है। सही पाँस्चर में रहने वाले लोग सक्रिय, फोकस्ड और ऊर्जावान महसूस करते हैं। सीधे पाँस्चर से दृढ़ होने की अनुभूति होती है। मनोविज्ञानियों के अनुसार झुककर बैठना आत्मविश्वास व उत्पादकता पर दुष्प्रभाव डालता है। सही बाँडी अलाइनमेंट का बातचीत पर सकारात्मक असर पड़ता है। जिससे खुशनुमा अहसास बढ़ता है। शरीर का पाँस्चर व्यक्तित्व को भी नहीं, समग्र सेहत को भी प्रभावित करता है। गलत पाँस्चर में बैठना, उठना, चलना या सोना बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। बाँडी पाँस्चर को आमतौर पर शरीर के अंगों पर पड़ने वाले प्रभाव से ही जोड़कर देखा जाता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि सही बाँडी पाँस्चर शारीरिक व्याधियों और दर्द से बचने के लिए ही नहीं बल्कि मन की बेहतरी के लिए भी जरूरी है। सही पाँस्चर से शारीरिक लाभ तो मिलते ही हैं, ईंसान का मन भी स्वस्थ रहता है। शरीर का गलत पाँस्चर बहुत सी शारीरिक

व्याधियों का कारण साबित होता है। शरीर का एलाइनमेंट बिगड़ने के कारण जोड़ों का दर्द, मांसपेशियों की जकड़न, गर्दन और पीठ का दर्द जैसी परेशानियां बहुत आम हैं। झुककर रहने से शरीर के कुछ अंगों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ने लगता है। जिसके चलते गलत पाँस्चर शरीर को बेवजह थकाता भी है। इतना ही नहीं, साइकोलॉजी टुडे में प्रकाशित लेख में फिजिकल थैरेपिस्ट डॉ. वेथ टैपलिन ने कहा है कि खराब पाँस्चर से गिरने का खतरा भी बढ़ जाता है। असल में बैठना हो या चलना, सीधा न रहकर झुके रहना शरीर के संतुलन को बिगाड़ता है। गलत बाँडी पाँस्चर से उम्रदराज लोगों में तो गिरने और चोट लगने का जोखिम और बढ़ जाता है। दरअसल, सही पाँस्चर, शारीरिक वजन के समान वितरण से बाँडी को स्थिरता देता है। जिसके चलते गिरने, फिसलने या किसी चीज से टकराने का जोखिम भी कम हो जाता है। सही बाँडी अलाइनमेंट से मसलस और नर्वस सिस्टम भी बेहतर ढंग से कार्य करते हैं। जिससे किसी खतरों के समय शरीर और दिमाग सही समय पर सही प्रतिक्रिया दे पाते हैं। यह आपातकालीन सक्रियता किसी भी

तरह की दुर्घटना के जोखिम से बचने की क्षमता बढ़ाती है। आमतौर पर मन के स्वास्थ्य पर बाँडी पाँस्चर के असर की ओर ध्यान कम ही जाता है। जबकि अध्ययन बताते हैं कि शरीर का सही विन्यास तनाव को कम करने में मददगार है। सही बाँडी पाँस्चर में अपनी एक्टिविज करने वाले ईंसान सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करता है। सही शारीरिक मुद्रा से ईंसान हर समय फोकस्ड दिखता है। सीधा-सधा पाँस्चर शारीरिक और मानसिक रूप से दृढ़ होने की अनुभूति करवाता है। हावर्ड के साइकोलॉजिस्ट एमी कडी के अनुसार झुककर बैठना न केवल आत्मविश्वास में कमी लाता है बल्कि इससे उत्पादकता पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। स्पष्ट है कि सही बाँडी अलाइनमेंट व्यक्ति के चौकस होने का संदेश देता है। जिससे रिसर्शों, दोस्ती और पेशेवर बातचीत पर सकारात्मक असर पड़ता है। जिससे खुशनुमा अहसास बढ़ता है। हर आयुवर्ग के ईंसान का व्यक्तित्व निखरता है। सही बाँडी पाँस्चर आत्म सम्मान के भाव को बल देता है। कुछ वर्ष पहले सामाजिक मनोविज्ञान के यूरोपीय जर्नल में छपे अध्ययन के मुताबिक 'शोधकर्ताओं ने जिन लोगों को

सीधे बैठने के लिए कहा, उनके उन विचारों पर भरोसा करने की अधिक संभावना थी। असल में झुककर ना बैठना संर्यमित और विश्वसनीय व्यक्तित्व की पहचान होता है। देखने में आता है कि मेडिटेशन के दौरान भी सीधे बैठने को ही कहा जाता है। असल में सीधा बैठना मन को शांत करने और अच्छे से सांस लेने का सबसे आसान तरीका माना जाता है। ऐसी सभी बातों दिलो-दिमाग को सहज और तनाव मुक्त रखने वाली हैं। मौजूदा जीवनशैली में बच्चों से लेकर बड़ों तक, अधिकतर लोगों का बाँडी पाँस्चर सही नहीं है। झुके हुए कंधे, रीढ़ की हड्डी और गर्दन बहुत सी समस्याओं का कारण बन रहे हैं। ऐसे में सजगता और धैर्य के साथ शरीर की मुद्रा में सुधार करना चाहिए। समझना जरूरी है कि बाँडी पाँस्चर को सही रखना एक गतिविधि पर नहीं बल्कि पूरी प्रक्रिया है, जो हर समय चलती रहती है। इसीलिए चलते, उठते, बैठते हर समय जागरूक रहना रहना चाहिए। घर के बड़े बच्चों को शुरू से ही बाँडी पाँस्चर सही रखने के लिए टोके। साथ ही अगर शरीर का पाँस्चर बिगड़ ही गया है तो सही करने के लिए बिना देरी किए चेत जाएं।

पंचकल्याणक महापात्रो का हुआ चयन, समाज द्वारा किया गया स्वागत अभिनंदन

जैन धर्म के बड़े धार्मिक अनुष्ठान पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन 11 अप्रैल से 16 अप्रैल तक होगा

पीपुल्स प्रवक्ता, खंडवा।

धार्मिक संस्कारों की नगरी खंडवा में जैन समाज का एक बड़ा धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होने जा रहा है जिसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। बजरंग चौक स्थित महावीर दिगांबर जैन मंदिर में मुनीसूत्र भगवान एवं भरत भगवान की संगमरमर की प्रतिमा एवं आदिनाथ भगवान की अष्टधातु की प्रतिमा विराजमान करने को लेकर इस मंदिर का तीसरा पंचकल्याणक महोत्सव मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज के संसंध परम सानिध्य में खंडवा नगर में 11 अप्रैल से 16 अप्रैल तक आयोजित होने जा रहा है। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि पंचकल्याणक महोत्सव को लेकर समाज में काफी उत्साह है समाज का प्रत्येक व्यक्ति इस धार्मिक अनुष्ठान में सहयोगी बनकर पंचकल्याणक को सफल बनाने में अपनी सक्रियता निभा रहा है। पंचकल्याणक महोत्सव तापडिया गार्डन में आयोजित हो, 5 दिनों तक मुनि श्री के सानिध्य में पाषाण की यह प्रतिमाएं पांच पंचकल्याणको के माध्यम से सूर्य मंत्रो से



प्रतिष्ठित होकर परमात्मा का रूप लेगी। सचिव सुनील जैन ने बताया कि श्री आदिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर चंचला लक्ष्मी का सदुपयोग कर नवकार नगर जैन मंदिर देशना मंडप में विधानाचार्य पीपूष भैया जी द्वारा संगीत मय भजनों के बीच पंचकल्याणक महोत्सव के मुख्य आकर्षण सौधम इंद्र महापात्र होने का गौरव चंदाबाई, वंदना संजय, ममता राजेश कासलीवाल परिवार ने प्राप्त किया, दूसरे नंबर के बड़े धनपति कुबेर इंद्र महापात्र बनने का सौभाग्य

मंदिर के ट्रस्टी सुरेश, सपना जितेंद्र, समृद्धि संयम कुमार लुहाडिया परिवार ने प्राप्त किया।पंचकल्याणक महोत्सव की पावन विधियों के महा यज्ञनायक बनने का सौभाग्य संगीता पवन कुमार अर्पिता सुदीप कुमार रावका परिवार एवं महोत्सव के यज्ञनायक बनने की पात्रता प्रवीण कुमार अनुज कुमार बैनाडा ने प्राप्त कि, समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि पंचकल्याणक के अन्य इंद्रो का चयन 27 मार्च रात्रि 8:00 बजे आयोजित भजन संध्या में बजरंग चौक स्थित महावीर जैन मंदिर में किया जाएगा।

महापौर के मार्गदर्शन में मूलभूत सुविधा के साथ शहर विकास की ओर निरंतर बढ़ रहा है आगे ऐतिहासिक धरोहर पदमकुंड और रामेश्वर कुंड का होगा सौंदर्यीकरण

पीपुल्स प्रवक्ता, खंडवा।

चुनाव के समय महापौर अमृता अमर यादव द्वारा शहर विकास के साथ व्यवस्थित रूप से जनता को जल प्रदाय हो इसमें सफलता मिल चुकी है। मध्य प्रदेश शासन से प्राप्त दूसरी नर्मदा पाइपलाइन का कार्य निरंतर प्रगति पर है। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि चारखेड़ा से खंडवा तक मुख्य लाइन डल चुकी है, जहां से 1 सितंबर से लगातार जलप्रदाय शहर में किया जा रहा है। शहर में दो बड़ी नवनिर्मित इतवार बाजार, स्मार्ट सिटी टंकिया से जलप्रदाय प्रारंभ हो चुका है चिराखदान क्षेत्र में भी नवीन टंकी निर्माण पूर्ण हो चुका है, हिंदू बाल सेवा सदन एवं ट्रांसपोर्ट नगर में नवनिर्मित टंकी निर्माण कार्य सतत चल रहा है। जसवाडी सुका डेम पर फिल्टर प्लांट बनकर तैयार है जहां से



शुद्ध जल शहर को प्राप्त हो रहा है, यहां नई मोटर लगाना प्रस्तावित है। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि नगर निगम चुनाव के समय प्रचार के समय सबसे महत्वपूर्ण लोगों की जो मूलभूत समस्या थी वह पानी की थी क्योंकि बार-बार पाइपलाइन फूटने से पानी की दिक्कतों का जनता को सामना करना पड़ता था, कई प्रकार के आंदोलन प्रदर्शन होते थे। महापौर अमृता अमर यादव द्वारा चुनाव में

अपना कार्य कर रही है, जलप्रदाय के क्षेत्र में यह एक बहुत बड़ी सफलता है। शहर की टंकियों के आसपास लगभग 25 किलोमीटर पाइपलाइन बिछने का कार्य चल रहा है, जिसमें 15 किलोमीटर लाइन लग चुकी है 10 किलोमीटर पाइपलाइन बिछने का कार्य निरंतर प्रगति पर है। पानी के साथ ही महापौर अमृता यादव का एक और संकल्प था कि हमारा शहर व्यवस्थित रूप से सुंदर एवं स्वच्छ हो इस दिशा में भी एक बड़ी सौगत के रूप में करोड़ों रुपए की लागत की सीवरेज लाइन का कार्य प्रारंभ हो चुका है, इसके पूर्ण होने पर नगर स्वच्छ और सुंदर बन सकेगा। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि महापौर अमृता अमर यादव के मार्गदर्शन में लगातार प्रत्येक वार्ड में बिना भेदभाव के विकास एवं निर्माण कार्य चल रहे हैं।

कृषक प्रशिक्षण का बिजोरा भील में हुआ आयोजन प्राकृतिक खेती मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती है: डॉ सतीश

पीपुल्स प्रवक्ता, खंडवा।

ग्राम बिजोरा भील में कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, इस प्रशिक्षण में प्राकृतिक खेती की महत्त्वता को बताया गया। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए खंडवा कृषि महा विद्यालय से डा. सतीश शर्मा साइटिस्ट ने बताया कि प्राकृतिक खेती मिट्टी की उर्वरता बढ़ाती है और रसायनों के बिना उत्पादन करती है, जिससे फसलें स्वास्थ्यवर्धक बनती हैं, यह विधि कम लागत और उच्च लाभ के लिए जानी जाती है, क्योंकि इसमें रसायनों के बजाय गाय का गोबर गोमूत्र आधारित कृषि का उपयोग



होता है। के वी की डा. रिमि शुक्ला ने बताया प्राकृतिक खेती समय की मांग है, जो मिट्टी को जीवन प्रदान करती है। इस अवसर पर बी टी एम मेधा बटनिया ने कहा

उत्पादन और मूल्य प्राप्ति दोनों में अनिश्चितता की वजह से किसान उच्च लागत वाली कृषि के दुष्क्रम में फंस गया है। लगातार गिरता उत्पादन और बढ़ती बीमारियां कृषि क्षेत्र की जटिलताओं को और बढ़ा रही हैं, इसलिए हमें प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए जिससे हमारी आने वाली पीढ़ी रोग मुक्त हो। सुनील जैन ने बताया कि बिजोरा बिल के इस कृषि कृषक प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम में कृषि सखी सुषमा बाई बड़गुजर, सद्दा बी सरपंच, रामपाल सिंह, पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रमाकांत बड़गुजर, किशन सोलंकी, ए टी एम प्रखर, पाटीदार महेश सिंघे, जावेद खान व ग्राम के किसान उपस्थित थे।

स्वच्छता में ही स्वस्थता है का दिया संदेश विधायक ने अस्पताल परिसर में लगाया पोछा

पीपुल्स प्रवक्ता, खंडवा।

पूरे प्रदेश भर में भाजपा संगठन द्वारा प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का जन्मदिवस सेवा कार्यों के रूप में मनाया गया। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि जिला मुख्यालय खंडवा में भी मुख्यमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे ने भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ जिला अस्पताल पहुंचकर सेवा एवं स्वच्छता का संदेश दिया। मुख्यमंत्री के जन्म दिवस पर एम।टी को फल फूल का वितरण किया गया। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि स्वच्छता में



ही स्वस्थता है के संदेश को लेकर खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। एम।टी अस्पताल परिसर में कार्यकर्ताओं के साथ पोछा लगाकर सफाई कर स्वच्छता का संदेश

दिया। कार्यक्रम के तहत अन्य मरीजों के साथ गर्भवती महिलाओं को फल वितरण किये गये। साथ ही नवीन आई सी यू कक्ष का निरीक्षण कर उपचारार्थ मरीजों से स्वास्थ्य का हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि इस अवसर पर विधायक कंचन तनवे के साथ भाजपा के हरीश कोटवाल, सेवासर पटेल, सुनील जैन, प्रशांत मिश्रा, भावेश बिहारी, अनीश अरझरे, विशाल खबड़, संदेश गुप्ता, सरपंच राहुल मंदवाल, भरत संजय, श्रुंगी उपाध्यक्ष, दीप सिंह झाला एवं संजय परदेशी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।